रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 9 जनवरी, 2026

वर्ष 02 | अंक 11 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

पूरे परिवार ने फांसी लगाकर किया सुसाइड

पति-पत्नी-डेढ़ साल की बेटी की मौत,दरवाजा तोड़कर निकाली लाशें

दमोह (एजेंसी)। दमोह के तेंदूखेड़ा में गुरुवार सुबह पति-पत्नी और उनकी डेढ़ साल की बेटी के शव घर में ही फंदे पर लटके मिले। पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

जानकारी के मुताबिक मनीष केवट (30), पत्नी दसौदा केवट और डेढ़ साल की की बेटी आरोही के साथ तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक एक में रहता था। मनीष मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

साली ने दरवाजा खुलवाया, तो कोई हलचल नहीं हुई

मनीष केवट की साली और दसौदा की बहन भी घटनास्थल पर पहुंची। उसने बताया कि उसे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जब वह घर पहुंची और दरवाजा खुलवाया, तो अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। दरवाजा तोड़ने पर अंदर तीनों के शव फंदे से लटके मिले। तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

● **दीवार पर कुछ लिखा है, जांच कर रहे-** दमोह एसपी श्रुतिकीर्ति सोमवंशी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने कहा- फिलहाल कोई स्पष्ट कारण समझ नहीं आ रहा है। पड़ोसियों और परिजन के बयान लिए जा रहे हैं। दीवार पर कुछ लिखा है, उसे भी जांच में लिया है। डॉक्टरों के पैनल से तीनों शवों का पीएम कराया जाएगा।

भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

● रूस के खिलाफ प्रतिबंधों से जुड़े बिल को ट्रम्प की मंजूरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों से जुड़े एक बिल को मंजूरी दे दी है। मीडिया के मुताबिक इस बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों खासकर

भारत, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने बताया कि उन्होंने बुधवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से बातचीत की, जिसमें ट्रम्प ने संसद बिल को पेश करने के लिए हरी झंडी दे दी। यह बिल पिछले कई महीनों से तैयार किया जा रहा था। इसे अगले हफ्ते संसद में वोटिंग के लिए लाया जा सकता है।

म.प्र. सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में दी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री सिंह- धार के पीएम मित्र पार्क में

तेजी से हो रहा कार्य प्रशंसनीय

● कृषि के बाद टेक्सटाइल देश में सर्वाधिक रोजगार देने वाला सेक्टर ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला राष्ट्रीय वस्त्र सम्मेलन म.प्र. में करने का दिया प्रस्ताव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का वस्त्र उद्योग विरासत का संरक्षण करते हुए विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट को लेकर महत्वपूर्ण कार्य हो रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वस्त्र उद्योग को रोजगारपरक औद्योगिक विकास में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। केंद्र सरकार की ओर से मध्यप्रदेश को औद्योगिक और निवेश की दृष्टि से उल्लेखनीय सहयोग मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश के धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। यहां टेक्सटाइल पार्क और उद्योगों का एक साथ लोकार्पण किया जाएगा।

यह पार्क भारत को सशक्त बनाने के संकल्प की पूर्ति भी करेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में भारत आर्थिक रूप से तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनने के ओर अग्रसर है। मां कामाख्या की धरती असम से आज देश के वस्त्र उद्योग को नई दिशा प्राप्त होगी। सभी राज्यों में वस्त्र उद्योग को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को गुवाहाटी में आयोजित वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भारत का वस्त्र उद्योग- विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना की थीम पर आयोजित इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संस्कृति, संस्कार, संसाधन और विरासत की दृष्टि से मध्यप्रदेश, टेक्सटाइल सहित अनेक उद्योगों में देश में अग्रणी है। राज्य सरकार द्वारा औद्योगिक गतिविधियां और निवेश बढ़ाने के लिए विभिन्न नवाचार किए जा रहे हैं।

म.प्र. में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल सराहनीय : केन्द्रीय वस्त्र मंत्री श्री सिंह

केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में की जा रही पहल के लिए सराहना की। धार में बन रहे देश के पहले पीएम मित्रा पार्क के निर्माण में तेजी से हो रहे कार्य के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आने से वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चार चांद लग गए हैं। उन्होंने कहा कि वस्त्र मंत्रालय, मध्यप्रदेश में दो तरह के फाइबर पर कार्य करना चाहता है। पहला- लीनन जो अलसी में होता है और दूसरा- मिल्क बिल्ट (मदार) फाइबर। केंद्र सरकार न्यू एज फाइबर को आगे बढ़ा रही है।

बेंगलुरु-विजयवाड़ा एक्सप्रेसवे पर 24 घंटे में 29 किमी सड़क बनी

● 10,675 मीट्रिक टन डामर बिछाया गया; एनएचएआई ने दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए

विजयवाड़ा (एजेंसी)। एनएचएआई ने आंध्र प्रदेश में बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-544 प्रतिशत) पर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। राजपथ इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने 24 घंटे में 28.95 (14.5 किमी डबललेन) किलोमीटर सड़क बिछाई। इसी के साथ 10,675 मीट्रिक टन बिटुमिनस कंक्रीट (डामर) डाला।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू सोशल मीडिया एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया। सीएम ने इसे भारत और आंध्र के लिए गर्व का पल बताया।

इंदौर दूषित पानी मामला

दिग्विजय सिंह ने की न्यायिक जांच की मांग

कहा- हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराई जाए जांच, पब्लिक के सामने हो सुनवाई

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल पीने से हुई त्रासदी को लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर है। इस मामले पर अब पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने प्रदेश की बीजेपी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने पूछा कि इंदौर के प्रभारी मंत्री मुख्यमंत्री मोहन यादव से कोई सवाल क्यों नहीं किए जा रहे। इसी के साथ उन्होंने मामले की न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा है कि इसकी सुनवाई पब्लिक के सामने हो और हाईकोर्ट के सिटिंग जज से इसकी जांच कराई जाए।

बता दें कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पहले ही इस मामले में दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग कर चुके हैं। उन्होंने कहा है कि इस मामले में संबद्ध अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर जाकर भागीरथपुरा सहित कई इलाकों में हालात का जायजा लिया और वो भी लगातार पीड़ितों के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं।

दिग्विजय सिंह ने बीजेपी सरकार पर लगाए आरोप – इससे बड़ी विसंगति क्या होगी कि देश में आठ बार सबसे स्वच्छ शहर होने का परचम लहरा चुके इंदौर में गंदे सीवेज का पानी पीने से लोगों की मौत हो जाए। इस मामले को लेकर कांग्रेस बार बार सरकार से सवाल पूछ रही है और कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रही है। इसी कड़ी में राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने भी मोहन सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि इंदौर उनका ''बचपन का शहर, सबसे विकसित और स्वच्छ शहर'' है लेकिन दुःख की बात यह है कि इसी शहर में लोग दूषित पानी पीने से मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुरुआत में जब मरने वालों की संख्या कम थी, तब किसी ने कोई सवाल नहीं पूछा। लेकिन जैसे ही ये आंकड़ा बढ़ने लगा सब 'ज़िम्मेदारी की टोपी सबने दूसरे को पहनाना शुरू कर दिए।

न्यायिक जांच और जनता के सामने सुनवाई की मांग

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा है कि 'प्रभारी मुख्यमंत्री जी से कोई सवाल नहीं पूछ रहा कि वो हर दूसरे दिन शहर में आते हैं और वो महज़ मौत का मुआवजा देकर चुप क्यों हो गए? कुछ ट्रांसफ़र और मुआवजे से शहर का कलंक नहीं धुलता।' उन्होंने पूरे मामले की न्यायिक जांच की मांग की है। साथ ही ये भी कहा है कि ये सुनवाई जनसामान्य के सामने हो और सिटिंग जज से इसकी जांच करायी जाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सिर्फ मुआवज़ा देने से किसी व्यक्ति को जीवित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार को घेरते हुए कहा कि गलतियों पर परदा डालने की बजाय गलतियों की जिम्मेदारी तय हो और दोषियों को दंडित किया जाए।

व्यक्ति में यह विवेक होना चाहिए कि वह एक शाश्वत अस्तित्व है : श्री माताजी

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने कुंडलिनी जागरण द्वारा मानव के समक्ष आत्मा व परमात्मा के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। यह मार्ग सभी के लिए है बस आवश्यकता है बिना किसी पूर्वाग्रह व वाद - विवाद के इसका अनुभव प्राप्त करने की। सत्य यह कि हम सभी स्वयं को मात्र एक देह मानकर चलते हैं । हमारा संपूर्ण जीवन इस देह की संतुष्टि में ही प्रयासरत रहता है। हम ये जानने का प्रयास भी नहीं करते कि जब देह नहीं होगी तब हम क्या होंगे ? श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में इसकी व्याख्या इस प्रकार की है कि,"व्यक्ति को जीवन के बारे में अत्यंत विवेकशील और सूझबूझ वाला दृष्टिकोण रखना होगा, यह कि आप स्वंय शाश्वत जीवन हैं, यह कि आप स्वंय शाश्वत अस्तित्व हैं, और यह कि आप इस धरती पर परमात्मा के बनाए आशीर्वादों का आनंद लेने के लिए आए हैं, न कि रोने-धोने के लिए, चिल्लाने के लिए, और दोषी महसूस करने के लिए। यह आपका काम नहीं है। पहली चीज़ यह है कि यही विवेकशीलता है कि आपको छोटी-छोटी तुच्छ चीज़ों के

लिए दुखी नहीं होना है..... यहाँ आपके लिए आनंद बिखरा हुआ है। (24 अप्रैल 1980)

अपने आप में आप एक अभिनव कंप्यूटर हैं और आपको केवल मुख्य स्त्रोत से जुड़ना है। लेकिन यह संदेश मिलने के बाद भी, वे इससे जुड़ना नहीं चाहते.... मगर यही एक चीज है जिसके लिए आप इस दुनिया में आये हैं। आप विकास प्रक्रिया मे एक अमीबा से इस अवस्था तक पहुँचे है।....

एक माँ के स्वरूप में, मैं आपसे कहती हूँ कि यही आपका राज्याभिषेक है। आपके पिता स्वयं सारी शक्तियाँ प्रवाहित करने के लिए व्याकुल हैं, जो वास्तव में सर्वशक्तिमान हैं। वह चाहते है कि आप परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करें और आप इसे प्राप्त करें क्योंकि इसे प्राप्त करना आपका अधिकार है। (30.04.1980) सहजयोग में मां के आशीर्वाद से परमात्मा की अनेक शक्तियों से साक्षात् करने का अनुभव आप प्राप्त करते हैं। बस इसके लिए एक ही योग्यता की आवश्यकता है शुद्ध इच्छा व निर्मल मन। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

मुरम एवं बोल्डर खनिज के अवैध उत्खनन सिद्ध पाये जाने पर संबंधित पर 54 करोड़ 58 लाख रूपए से अधिक की शास्ति अधिरोपित

दीपक परमार

शिवपुरी कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी द्वारा तहसीलदार करैरा के प्रतिवेदन एवं खनिज विभाग शिवपुरी के प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदकगण भावेश गोयल, वीनस गोयल, राजेश गोयल पुत्रगण मनीराम गोयल निवासी करैरा पर कस्वा करैरा के सर्वे नं.1898 के भाग में 1,81,944 घनमीटर मुरम/बोल्डर खनिज के अवैध उत्खनन सिद्ध पाये जाने पर 54 करोड़ 58 लाख 32 हजार रूपए की शास्ति अधिरोपित की है। उक्त राशि प्रशमन नही करने की दशा में खनि अधिकारी के प्रस्ताव अनुसार म.प्र. खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के अध्याय-पांच के नियम 18 एवं प्रशमन न करने पर नियम 18(5) उपनियम (2) के उल्लंघन की स्थिति में रॉयल्टी का 15 गुना अर्थदंड राशि 13,64,58,000 रूपए, पर्यावरण क्षतिपूर्ति की राशि 13,64,58,000 रूपए कुल राशि 27,29,16,000 रूपए की दोगुनी राशि 54,58,32,000 रूपए की शास्ति अधिरोपित की गई है।

उक्त अधिरोपित राशि संबंधित द्वारा आदेश दिनांक से 30 दिवस में खनिज मद 0853 में जमा की जाए। अनावेदक को आदेश की अपील हेतु नियमानुसार समय सीमा की पात्रता होगी। निर्धारित समयावधि के उपरांत अधिरोपित राशि जमा न करने की स्थिति में नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी। अनुविभागीय अधिकारी करैरा को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नाधीन भूमि की स्थल एवं खसरा अभिलेख से जांच करें, यदि मौके पर कोई अवैध कॉलोनी, खसरे में छोटे भूखण्डों का क्रय-विक्रय पाया जाता है तो म.प्र. नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 339 ग के तहत प्रकरण तैयार कर 15 दिवस में पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

थाना कचनार को मिली सफलता, मात्र 48 घंटे में नाबालिग बालिका दस्तयाब आरोपी गिरफ्तार"

गोलू यादव

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों एवं समस्त चौकी प्रभारियों को गुम बालक / बालिकाओं की त्वरित दस्तयाबी हेतु गंभीरतापूर्वक मुहिम चलाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में, अति० पुलिस अधीक्षक गजेन्द्र सिंह कँवर एवं एसडीओपी अशोकनगर विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में थाना कचनार द्वारा मात्र 48 घंटे में नाबालिग बालिका दस्तयाब करने में एवं आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि दिनांक 05.01.2026 को फरियादी द्वारा थाना कचनार में आकर अपनी 16 साल 06 माह की नाबालिक बालिका के अपहृत होने की रिपोर्ट की थी जिस पर से थाना कचनार में अपराध क्रमांक 05/2026 धारा 137 (2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता देखते हुये पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा द्वारा थाना प्रभारी कचनार उनि पूनम सेलर को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। थाना प्रभारी कचनार उनि० पूनम सेलर द्वारा अपहृता की पतारसी हेतु टीम गठित कर सायबर सेल से प्राप्त तकनीकि साक्ष्यों के आधार पर नाबालिग की पतारसी शुरू की गई। टीम द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुये मात्र 48 घंटे में दिनांक 07.01.2026 को नाबालिग अपहृता को भादौंन के पास से आरोपी बलराम पिता अप्पू कुशवाह उम्र 22 साल निवासी सराय आमखेडा थाना मुंगलसराय जिला विदिशा के कब्जे से सकुशल दस्तयाब किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध सुसंगत धाराओ का इजाफा किया गया जिसे माननीय न्यायालय प्रस्तुत किया जा रहा है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कचनार उनि० पूनम सेलर, सउनि० तेज सिंह, प्रआर० आशीष, आर० केरन सिंह, आर० दिनेश, आर० सुनील, आर० विजय, आर० अंगार सिंह, मआर० मालती एवं सायबर सेल सउनि संजय गुप्ता, आर प्रशांत भादौरिया की उल्लेखनीय भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम के कार्य की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की है।

महिला सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा : मंत्री निर्मला भूरिया

सलीम हुसैन

झाबुआ महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि शिक्षा, नशा मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल समाज को नई दिशा मिलती है, बल्कि प्रदेश और देश के विकास में भी ठोस योगदान मिलता है। मंत्री भूरिया आईएचएम भोपाल में ऊर्जस्विता - 2026 को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सम्मानित होने वाली विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि बाल संरक्षण एवं बाल देखरेख से जुड़े बच्चों के लिए विभाग पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम, स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टर केयर तथा बाल कोविड योजना के माध्यम से निरंतर लाभ पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने मध्यप्रदेश बाल संरक्षण नीति–2020 को लागू कर बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनकी देखरेख को सुनिश्चित किया है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत–2047 के विजन की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। Women Led Development की अवधारणा को अपनाकर भारत आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से समाज सशक्त होता है और देश आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक रूप से मजबूत बनता है। इसी दिशा में महिलाओं के सशक्तिकरण, अनुसंधान और उद्यमिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश शासन द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने समाज के प्रत्येक व्यक्ति से अपील की कि वह जहाँ भी कार्यरत है, अपने दायित्वों का निर्वहन इस प्रकार करे कि समाज, प्रदेश और देश का विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में पशुपालन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश शासन महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएँ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके कौशल विकास और सामाजिक भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम के अंत में मंत्री भूरिया ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 25 महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभाओं को शुभकामनाएं देते हुए आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और अनुभव से आमजन को भी जोड़ें, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

थाना थांदला पुलिस ने ढाई वर्षीय गुम बालिका को 3 घंटे में किया दस्तयाब,परिजनों को सौंपा

थाना थांदला क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 07. जनवरी को कस्बा थांदला की रितुराज कॉलोनी से एक ढाई वर्षीय बालिका के गुम हो जाने की सूचना प्राप्त हुई। परिजनों द्वारा आसपास काफी तलाश किए जाने के बाद भी बालिका का कोई पता नहीं चल सका। तत्पश्चात परिजनों ने शाम लगभग 7 बजे थाना थांदला में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई। जिस पर पर थाना थांदला पर अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना थांदला पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस ने सघन तलाश अभियान चलाते हुए मात्र 03 घंटे के भीतर अपहृत बालिका को भीमकुंड क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब कर लिया। दस्तयाबी के पश्चात बालिका को विधिवत रूप से उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। बालिका के सुरक्षित मिलने से परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने थाना थांदला पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यवाही के लिए आभार व्यक्त किया।

मंदिरों में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का किया गया आह्वान

झाबुआ बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे फेज में समाज के प्रभावशाली माध्यमों को जोड़ते हुए धार्मिक स्थलों पर विशेष गतिविधियां आयोजित की जा रही है। शासन निर्देशानुसार मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरूद्वारे के साथ-साथ विवाह से जुड़े सेवा प्रदाता जैसे वेडिंग हॉल, बैंडबाजा, कैटरिंग, टैंट हाउस, विवाह पत्रिका प्रिंटिंग को अभियान में शामिल किया गया है।

इसी तारतम्य में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री आर एस बघेल के मार्गदर्शन में 08 जनवरी 2026 को वन स्टॉप सेंटर झाबुआ की टीम द्वारा गायत्री परिवार के सदस्य के सहयोग से शहर में स्थित गायत्री शक्तिपीठ मदिर में बाल विवाह के प्रति जागरूकता कार्यक्रम एवं बाल विवाह से संबंधित पोस्टर चस्पा किया गया।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की केसवर्कर सोनम बामनिया एवं परामर्शदाता रानू राठौर द्वारा बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका अथवा 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन दण्डनीय अपराध है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह में सहयोग करने या प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध जुर्माने व करावास का प्रावधान है। गायत्री शक्तिपीठ की जिला समन्वयक श्रीमती नलिनी ने आम जन से अपील की यदि कही भी बाल विवाह की जानकारी या शंका हो तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाईन 1098, पुलिस 112 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचित करें तथा झाबुआ जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सहयोग करे। अभियान के माध्यम से समाज में सकारात्मक सोच विकसित कर बाल विवाह जैसी कुप्रथा के समूल उन्मूलन का संदेश दिया गया।

संपादकीय

समाज में बदलते रिश्ते और खत्म होता अपनापन
रिश्ते कभी समाज की सबसे मजबूत नींव हुआ करते थे,
जहाँ नाम से पहले अपनापन बोला जाता था।
आज वही रिश्ते
औपचारिकताओं की फ़ाइल में बंद होते जा रहे हैं।
हम एक ऐसे दौर में खड़े हैं
जहाँ घर बड़े हो गए,
पर दिल सिकुड़ते चले गए।
जहाँ "मेरे अपने"
संपर्क सूची तक सीमित रह गए।
पहले दुख साझा होता था,
आज सिर्फ़ स्टेटस अपडेट होता है।
पहले हालचाल पूछा जाता था,
आज "Seen" ही जवाब बन गया है।
समाज ने प्रगति तो की,
पर संवेदनाएँ पीछे छूट गईं।
रिश्तों में समय नहीं रहा,
और बिना समय के
अपनापन ज़िंदा कैसे रहे?
माँ-बाप बोझ कहे जाने लगे,
भाई-बहन औपचारिक रिश्ते बन गए।
पड़ोसी अजनबी हो गए,
और दोस्त काम के हिसाब से चुने जाने लगे।
यह केवल रिश्तों का संकट नहीं है,
यह संवेदना का पतन है।
यह सवाल है हमारे ज़मीर से—
क्या हम इंसान हैं
या सिर्फ़ व्यस्त मशीन?
फिर भी उम्मीद पूरी तरह मरी नहीं है।
आज भी जब कोई
बिना स्वार्थ साथ खड़ा होता है,
तो लगता है—
इंसान अब भी ज़िंदा है।
ज़रूरत है
फिर से सुनने की,
फिर से समझने की,
और रिश्तों को
फिर से जीने की।
क्योंकि समाज
इमारतों से नहीं,
रिश्तों से बनता है।

गोपाल गावंडे | कवि

(रणजीत टाइम्स)

अब हो जा सहज"

यह दुनिया सरोवर है,सरिता है,सागर है,
तेरा वजूद क्या,केवल छलकती गागर है,

ये धरती,नदी,आसमान सभी है मेजमान,
कुछ नहीं इनमें तेरा,तु इनका है मेहमान,

फिर क्यों ?इतराये करे तु इतना अभिमान।
दूसरे की वस्तु के लिये,होता हमेशा झगड़ा,

जो मिला उसमें हो संतोष,फिर क्या लफड़ा
जो तेरा है वह तेरा है,तुझको तो मिलेगा न,

जो तेरा नहीं है तो नहीं,क्यों होता परेशान,
और क्यों ! इतराये करे तु इतना अभिमान।

खुद के अंदर तो देखने की फुर्सत ही नहीं,
और तु चाँद सितारे छूने की बात करता हैं,

सम्मान करता नहीं,तु अपने माता पिता का,
और तु रखे सारी दुनिया जितने का अरमान,

अरे क्यों? इतराये करे तु इतना अभिमान।

हर पल उम्र की सीढ़ी चढ़ता ही जा रहा है,
फिर भी स्पर्धा एवं इर्ष्या है तेरे मन मे बसी,

छूटे ना समय,पता नहीं कल कहाँ सवेरा है,
बढ़ाये चल कदम,है जब तक तेरे अंदर जान,

न तु इतराना,नहीं कभी भी करना अभिमान।

विपिन जैन "श्रीजैन"

218, श्री मंगल नगर बंगाली चौराहा

अमानत में खयानत का गंभीर मामला, लसूडिया थाना क्षेत्र में पीड़ित की नहीं हो रही सुनवाई

राजेश धाकड़

आरोपी मनीष ओटकर

इंदौर। शहर के लसूडिया थाना क्षेत्र से अमानत में खयानत का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां पीड़ित को शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक न्याय नहीं मिल पाया है। पीड़ित राजेश विश्वकर्मा ने मनीष कुमार नामक व्यक्ति पर धोखाधड़ी और विश्वासघात के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मनीष कुमार ने उससे करीब 12,000 की आवश्यकता बताते हुए संपर्क किया था। मनीष ने यह कहकर भरोसा दिलाया कि उसे दो दिनों के लिए बाहर जाना है और वह किराए पर वाहन की व्यवस्था चाहता है। इस पर राजेश विश्वकर्मा ने विश्वास करते हुए 1500 प्रतिदिन के हिसाब से गाड़ी किराए पर दिलवा दी।

राम पाटिल एवं राजेश विश्वकर्मा

कुछ समय बाद मनीष कुमार की नीयत बदल गई। उसने गाड़ी अपने पास रखने की बात कहते हुए पीड़ित से 12,130 की मांग की और कहा कि रकम देने पर ही गाड़ी वापस की जाएगी। पीड़ित द्वारा खाते में 12,000 रुपये जमा कराने के बावजूद मनीष ने गाड़ी लौटाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, उसने उल्टे 8,000 रुपये की अतिरिक्त मांग शुरू कर दी। पीड़ित राजेश विश्वकर्मा का आरोप है कि बार-बार संपर्क करने के बावजूद मनीष कुमार न तो गाड़ी वापस कर रहा है और न ही पैसे लौटाने को तैयार है। मजबूर होकर पीड़ित ने 1 जनवरी को लसूडिया थाने में लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हैरानी की बात यह है कि कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित का कहना है कि वह लगातार थाने के चक्कर काट रहा है, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। न्याय की आस में भटक रहे पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले को कितनी गंभीरता से लेती है और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाती है, या फिर पीड़ित यूं ही न्याय के लिए भटकता रहेगा।

युवा पीढ़ी भटकाव की ओर: अपराध और नशे की बढ़ती लत समाज के लिए गंभीर चुनौती

राजेश धाकड़

आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य मानी जाती है, लेकिन दुर्भाग्यवश यही युवा वर्ग तेजी से अपराध और नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। यह स्थिति न केवल परिवारों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के लिए एक गंभीर चेतावनी भी है।

बेरोजगारी और गरीबी बना बड़ा कारण- देश में बढ़ती बेरोजगारी युवाओं को हताशा की ओर धकेल रही है। जब मेहनत के बाद भी रोजगार नहीं मिलता, तो कई युवा गलत रास्तों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। आर्थिक तंगी अपराध को जन्म देती है और नशे को सहारा बना लिया जाता है। साथी दबाव और गलत संगत युवाओं पर दोस्तों और सामाजिक माहौल का गहरा प्रभाव पड़ता है। कई बार सिर्फ 'कूल' दिखने या समूह में स्वीकार्यता पाने के लिए युवा नशे का सेवन शुरू कर देते हैं, जो धीरे-धीरे लत में बदल जाता है। सोशल मीडिया और सिनेमा का दुष्प्रभाव आज सोशल मीडिया और फिल्मों में अपराध, हिंसा और नशे को ग्लैमराइज किया जा रहा है। महंगी गाड़ियाँ, हथियार, नशा और अपराध को सफलता का प्रतीक दिखाया जाता है, जिससे युवा भ्रमित हो जाते हैं और उसी जीवनशैली को अपनाने की कोशिश करते हैं।

परिवारिक टूटन और अभिभावकों की अनदेखी परिवार में कलह, संवाद की कमी और माता-पिता की व्यस्तता भी युवाओं को मानसिक रूप से कमजोर बनाती है। जब बच्चों को घर में भावनात्मक सहारा नहीं मिलता, तो वे बाहर गलत रास्तों पर सहारा ढूँढते हैं। नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता शहर हो या गाँव, नशीले पदार्थों की आसान उपलब्धता एक बड़ा कारण है। कमजोर कानून व्यवस्था और तस्करों के हौसले युवाओं को नशे के दलदल में धकेल रहे हैं। अशिक्षा और जागरूकता की कमी अशिक्षा और सही मार्गदर्शन के अभाव में युवा यह नहीं समझ पाते कि नशा और अपराध उनका भविष्य पूरी तरह बर्बाद कर सकते हैं। समाधान क्या है? विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं— युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर स्कूल-कॉलेजों में नशा विरोधी जागरूकता अभियानकौशल विकास और खेल गतिविधियों को बढ़ावा परिवार में संवाद और भावनात्मक सहयोग नशीले पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई सोशल मीडिया कंटेंट पर निगरानी निष्कर्ष- यदि समय रहते युवाओं को सही दिशा नहीं दी गई, तो यह सामाजिक समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। सरकार, समाज, शिक्षा संस्थान और परिवार-सभी को मिलकर युवाओं को नशे और अपराध से दूर रखने की जिम्मेदारी निभानी होगी। युवा यदि सशक्त होंगे, तभी राष्ट्र सुरक्षित और समृद्ध बनेगा।

गौशाला निर्माण अधूरा,बना भ्रष्टाचार का गढ़

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिले के बुढ़ार जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत जमगांव में गौशाला निर्माण कार्य भ्रष्टाचार का शिकार हो चुका है। वर्ष 2020-21 और 2021-22 में मनरेगा योजना के अंतर्गत गौशाला निर्माण के लिए लाखों रुपये स्वीकृत और आहरित किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी अधूरी चारदीवारी और टूटे-फूटे ढांचे के रूप में सामने है। मनरेगा पोर्टल के अनुसार गौशाला निर्माण के लिए दर्जनों मास्टर रोल जारी कर मजदूरी व सामग्री मद में भुगतान किया जा चुका है।लेकिन मौके पर न तो गौशाला की दीवारें पूरी हैं, न ही अंदर कोई व्यवस्था। जगह-जगह गिट्टी और ईंटों के ढेर पड़े हैं और निर्माणाधीन दीवारें आधी-अधूरी छोड़ दी गई हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधि

और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी राशि तो निकाल ली गई, लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया। जिस कारण गौशाला आज तक खंडहर जैसी हालत में है आलम ये है कि चोरों द्वारा कालम की छण तक काट ली गई है।

स्थिति चिंताजनक

अधूरी चारदीवारी, गिरती ईंटें

घटिया गुणवत्ताविहीन निर्माण, दीवारें सेड लगने से पहले हि टूट गई। सरकारी धन का दुरुपयोग साफ दिखाई देता है ग्रामीणों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों पर सख़्त कार्रवाई की जाए। साथ ही गौशाला का शेष कार्य जल्द पूरा किया जाए ताकि क्षेत्र की आवारा गायों को सहारा मिल सके। जिम्मेदारी अधिकारियो पर आज तक कोई कार्रवाई न होना उच्च अधिकारियों की मंशा पर भी सवाल उठाता है।

रेल्वे पुलिस द्वारा अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई

शहडोल रेल्वे पुलिस द्वारा रेल्वे स्टेशन परिसर में नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए रेलवे पुलिस ने वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि स्टेशन परिसर में अव्यवस्था और जाम से बचने के लिए वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़ा करें। आगे भी नियम तोड़ने वालों पर इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। रेल्वे पुलिस के अनुसार कई बार समझाने के बाद भी वाहन चालक नहीं माने जिसके चलते ये कार्यवाही करनी पड़ी।

कलेक्टर ने किया ऑगनवाड़ी केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण

शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के वार्ड नम्बर 13 के ऑगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान ऑगनवाड़ी केंद्र में दी जा रही संदर्भ सेवाओ के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं एवं बच्चों के टीकाकरण, बच्चों के वजन पंजी का संधारण, कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु किए जा रहे प्रयासों, टेक होम राशन के वितरण की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि ऑगनवाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चो को मीनू के अनुसार पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। ऑगनवाड़ी केंद्र में पर्याप्त मात्रा में खेल एवं पढ़ाई की सामग्रियां जैसे अन्य सुविधा उपलब्ध रहे यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभिभावको के संवाद कर ऑगनवाड़ी केंद्र में बच्चो की उपस्थिति भी बढाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री अक्षत बुंदेला, ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका उपस्थित रहें।

शुभकामना संदेश

रणजी टाइम्स न्यूज़पेपर के दस वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।सत्य, निष्पक्षता और जनहित को समर्पित आपकी पत्रकारिता ने समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ईश्वर से कामना है कि भविष्य में भी आपका यह समाचार-पत्र लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की गरिमा को बनाए रखते हुए नई ऊँचाइयों को छुए।

पुष्पेंद्र वास्कले जनसंपर्क अधिकारी, इंदौर

कलेक्टर आदित्य सिंह की अध्यक्षता में आज करीला धाम पर आगामी रंगपंचमी मेला की तैयारियों संबंध में बैठक आयोजित की गई

बैठक में निर्देशित किया आस्था का केंद्र मां जानकी माता मंदिर करीला धाम पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सेवा भाव के साथ सभी आवश्यक सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं मिले यह सुनिश्चित किया जाए। करीला मेला की तैयारियों के लिए जिस कार्य के लिए अधिकारियों को जो दायित्व मिला है, उसे कार्य को समय सीमा में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। करीला धाम आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुगम आवागमन, शुद्ध पेयजल, पार्किंग व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, सड़क मार्ग सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने करीला धाम पर स्वच्छता रखने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में भोपाल से मेला तीर्थ प्राधिकरण धर्मस्व विभाग से डॉ राजेश श्रीवास्तव, डीएफओ श्रीमती प्रतिभा अहिरवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश जैन,अपर कलेक्टर डीएन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह कंवर,एसडीम मुंगावली इसरार खान एवं संबंधित जिला अधिकारी एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध झाबुआ पुलिस का "ऑपरेशन प्रहार" -शराब से भरी गाडियों सहित 18.14 लाख रूपये का मशरूका जप्त, आरोपी गिरफ्तार

झाबुआ पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे "ऑपरेशन प्रहार" के तहत उमरकोट चौकी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 7 जनवरी को चौकी उमरकोट (थाना कालीदेवी) पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब और दो स्विफ्ट डिजायर वाहन जब्त किए हैं। साथ ही आरोपी गिरफ्तार किया गया है। उमरकोट पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 36 पेटी (543 बल्क लीटर) अवैध शराब जप्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 02 लाख 14 हजार 80 रुपये की जप्त की गई साथ ही दो वाहन कीमती 16 लाख जप्त किये गये। इस प्रकार कुल 18 लाख 14 हजार 80 रूपये का मशरूका जप्त किया गया। सराहनीय भूमिका थाना प्रभारी कालीदेवी निरीक्षक जयराज सोलंकी, चौकी प्रभारी उमरकोट उप निरीक्षक जितेंद्र चौहान, प्र.आर. भूपेंद्र जाट, आर. अनिल चौहान, आर. रूपेश मेहता, आर. शुभम, आर. श्यामलाल। पुलिस अधीक्षक महोदय ने पुलिस टीम के इस उत्कृष्ट कार्य के लिए नकद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

प्रीतमलाल दुआसभागृह , इंदौर में एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया

खुशबू श्रीवास्तव

भारतीयता की समझः सातत्य एवं अवरोध विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन शिक्षा के द्वारा भारतीयता की स्थापना होगीः डॉ बृजेंद्र पाण्डेय प्रज्ञा प्रवाह वाग्देवी विचार मंच ,महिला आयाम ,मालवा प्रांत के द्वारा प्रीतमलाल दुआसभागृह , इंदौर में एक दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। महान लेखक, चिंतक , वक्ता प्रोफेसर डॉक्टर बृजेंद्र पाण्डेय जी की पुस्तक स्वाहिंदु भारत का अध्ययन महिला आयाम के अध्ययन केंद्र द्वारा किया जा रहा था जिसकी पूर्णता के उपलक्ष्य में पुस्तक के लेखक डॉ बृजेंद्र पाण्डेय को मुख्य वक्ता के रूप में भारतीयता ई समझः सातत्य एवं अवरोध विषय पर अपने विचार व्यक्त किए जाने हेतु आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन से हुआ। मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष का स्वागत वाग्देवी माँ की प्रतिमा से किया गया । बृजेंद्र जी ने भारतीयता पर समझाते हुए बताया कि ये एक परंपरा है, हमे इसे समझने , इसके उद्देश्य,अंतर्वस्तु एवं विषयवस्तु को समझने हेतु भारतीय दृष्टिकोण से समझना होगा। आधुनिकता और आधुनिकीकरण , भारतीयता की अंतर्वस्तु न होकर , आवश्यकतानुसार उपभोग की संस्कृति , प्रकृति का समुचित उपयोग, आदि की संस्कृति रही है। मुख्य वक्ता द्वारा भारतीयता के समक्ष आने

वाले अवरोधों को बिंदुवार प्रस्तुत किया एवं उसको सात्यता के लिए बिंदुवार सूत्र प्रस्तुत किए। श्रोतागण द्वारा प्रश्न किए गए जिनके उत्तर में बृजेंद्र जी ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा एक अध्ययन एवं अध्यापन की शैली है ,इसके अंतर्गत भारतीय दृष्टिकोण से उपलब्ध साहित्यों को अध्ययन एवं अध्यापन किया जाना चाहिए। श्रोतागण में विद्वान एवं विदुषियों की उपस्थिति रही,वकील ,प्राचार्य,अध्यापक ,प्राध्यापक , शोधार्थी ,लोकसेवक, विद्यार्थी , समाजसेवी एवं विभिन्न वर्गों के लोगों की उपस्थिति एवं सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ अशोक सचदेवा ,GDC द्वारा की गई। कार्यक्रम की सूत्रधार महिला आयाम मालवा प्रांत प्रमुख डॉ समीक्षा नायक, सहप्रमुख डॉ सुधीरा चंदेल रही। विषय का परिचय डॉ मेनका जादोन जी द्वारा रखा गया। अतिथि परिचय शोधार्थी प्रीति कनाडिया द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए डॉ अशोक सचदेवा जी ने बताया कि प्रज्ञा प्रवाह द्वारा आयोजित ये कार्यक्रम बहुत सफल रहा और इस प्रकार के व्याख्यान माला निरन्तर आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यक्रम में महिला आयाम की विभाग प्रमुख डॉ मेनका जादोन एवं सह प्रमुख डॉ रितंभरा जी ने प्रज्ञा प्रवाह का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ स्वाति उपाध्याय जी एवं आभार डॉ वंचना सिंह परिहार द्वारा दिया गया।वंदे मातरम के गायन के साथ ही कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ।

...तो करियर बर्बाद कर देंगे, नेशनल कोच पर नाबालिग निशानेबाज से रेप का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।

एक नाबालिग महिला निशानेबाज ने राष्ट्रीय निशानेबाजी कोच अंकुश भारद्वाज पर रेप का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर फरीदाबाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उसके खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। इस बीच नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने आरोपी कोच को जांच होने तक सस्पेंड कर दिया है। भारद्वाज एसोसिएशन द्वारा नियुक्त 13 नेशनल पिस्टल कोच में से एक है।

आरोप के मुताबिक कोच ने परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन के नाम पर पीड़ित को फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित एक होटल के कमरे में बुलाया और वहां उससे रेप किया। उसने पीड़ित को धमकी दी कि अगर वह इसके बारे में किसी को भी जानकारी देगी तो उसका करियर बर्बाद कर देगा और उसके परिवार को नुकसान पहुंचाएंगा। एफआईआर के मुताबिक घटना 16 दिसंबर को हुई। उस वक्त दिल्ली के डॉक्टर करनी सिंह शूटिंग रेंज में एक राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाजी प्रतियोगित चल रही थी। एफआईआर के मुताबिक, कोच ने शुरुआत में पीड़ित से होटल की लॉबी में मिलने को कहा था लेकिन बाद में उसने परफॉर्मेंस इवैल्यूएशन के नाम पर निशानेबाज पर होटल के कमरे में चलने का दबाव डाला। उसने कहा कि परफॉर्मेंस और उसकी निशानेबाज पर डीटेल में चर्चा के लिए मीटिंग जरूरी है। वहां पहुंचने पर उसने महिला निशानेबाज का रेप किया। उसके विरोध करने और मिन्नतों के बाद भी कोच नहीं रुका।

बाद में पीड़ित ने जब अपने परिवार को इस बारे में जानकारी दी तब उन्होंने मंगलवार को फरीदाबाद के एनआईटी महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई। अंकुश भारद्वाज के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट की धारा 6 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351 (1) के तहत केस दर्ज किया गया है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। उसने संबंधित होटल से घटना वाले दिन के सभी सीसीटीवी फुटेज मांगा है। अभी कोच की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सिख गुरु के मुद्दे पर तकरार, अब आप ने कपिल मिश्रा का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी।

सिखों के गुरु तेग बहादुर के मुद्दे पर दिल्ली सरकार और विपक्ष के बीच ठन चुकी है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर विपक्ष की नेता आतिशी की विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। वहीं अब आप विधायक ने चिट्ठी लिखकर मंत्री कपिल मिश्रा पर फर्जी वीडियो जारी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मिश्रा की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को विपक्ष की नेता आतिशी की विधानसभा सदस्यता रद्द करने की मांग की। मंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर के बारे में उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

पत्रकारों से बात करते हुए मिश्रा ने कहा कि लगभग पूरा सदन मानता है कि विपक्ष की नेता को केवल उन्हें सदन से बाहर जाने की अनुमति देकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। विपक्ष की नेता को माफी मांगनी चाहिए। कल हमने अध्यक्ष को पत्र लिखकर आतिशी की सदस्यता खत्म करने का अनुरोध किया था। भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने भी आतिशी की आलोचना करते हुए उन्हें गैरजिम्मेदार और गुरुओं के प्रति अनादरपूर्ण बताया और उनके निलंबन और सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि पक्षपात करने वाली आतिशी ने विधानसभा में बेहद गैरजिम्मेदाराना बयान दिया। यह बहुत दुखद है कि उन्होंने गुरुओं के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग किया। हमने आतिशी को निलंबित और दंड देने की मांग की है। हम गुरुओं के प्रति इस तरह के अनादर को बर्दाश्त नहीं कर सकते। गुरुवार सुबह दिल्ली विधानसभा में उस समय हंगामा मच गया जब भाजपा विधायकों ने विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा सिख गुरु पर कथित टिप्पणी के विरोध में आम आदमी पार्टी के विधायकों के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद आम आदमी पार्टी के विधायक पोस्टर लेकर और नारे लगाते हुए विधानसभा में घुस आए और कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग की।

राजेश बवानिया गैंग का खौफनाक बैकग्राउंड

दिल्ली में सुबह-सुबह पुलिस का ऐक्शन, बवाना और गाजीपुर में बदमाशों से मुठभेड़, तीन धरे

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके में सुबह-सुबह पुलिस का बड़ा ऐक्शन देखने को मिला, जहां स्पेशल सेल की टीम ने और अपराधियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हो गई। इस एनकाउंटर में कुख्यात राजेश बवानिया गैंग का सदस्य अंकित मान गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इसके अलावा गाजीपुर इलाके में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि राजेश बवानिया गैंग के कुछ सदस्य बवाना क्षेत्र में सक्रिय हैं और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की फिराक में हैं। स्पेशल सेल की टीम ने इलाके में घेराबंदी कर रखी थी। जैसे ही संदिग्धों ने पुलिस को देखा, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे अंकित मान घायल हो गया। राजेश बवानिया दिल्ली-एनसीआर के उन गैंगस्टरों में शुमार है जो जेल से ही अपने गिरोह को चलाते हैं। उसका गैंग हत्या, फिरौती, लूट और गैंगवार जैसी वारदातों में शामिल रहा है। अंकित मान गैंग का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है, जो कई पुराने मामलों में वांछित है। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर इलाके में पुलिस एनकाउंटर में दो वांटेड क्रिमिनल, अमीन (23) और मोहम्मद दानिश (34) घायल हो गए। तीन पिस्टल और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी जाफराबाद में डबल मर्डर केस के सिलसिले में फरार थे।

न हो इंदौर वाली त्रासदी; पानी के क्वॉलिटी चेक के लिए दिल्ली सरकार बना रही प्लान

● दिल्ली में अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देश

नई दिल्ली एजेंसी।

इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों ने दिल्ली सरकार के भी कान खड़े दिए हैं। दिल्ली में ऐसी कोई घटना न हो, इसके लिए सरकार ने दिल्ली जल बोर्ड को संवेदनशील इलाकों में पानी की जांच और निगरानी बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए हैं। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने इस संबंध में एक चेकलिस्ट जारी की है, जिसमें मुख्य रूप से निर्देश दिए गए हैं कि सीवर लाइनों के पास से गुजरने वाली पानी की पाइपलाइनों की बारीकी से जांच करना, पानी की गुणवत्ता (क्वालिटी) चेक करने के सिस्टम को और बेहतर बनाना, पुराने और खराब पाइपलाइन वाले इलाकों की पहचान करना, जहां भी पाइपलाइन खराब है, वहां मरम्मत के काम को प्राथमिकता देना। कौशल राज शर्मा ने भी कर्मचारियों और इंजीनियरों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि इन आदेशों का पालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पानी के नमूने (सैंपल) इकट्ठा करने के लिए ज्यादा कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। पानी की समस्या वाले इलाकों और सार्वजनिक स्थानों से भारी मात्रा में सैंपल लेने के लिए विभाग अतिरिक्त गाड़ियां किराए पर ले सकता है। जल बोर्ड के सभी डिवीजनों को आदेश दिया गया है कि वे पानी से जुड़ी शिकायतों को दो दिनों के भीतर सुलझाएं। सीवर लाइन के कारण होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए 30 सुपर-सकर और 16 रिसाइकलर मशीनें लगाई जाएंगी। पानी के दूषित होने की समस्याओं और उनके समाधान का डेटा रोजाना इकट्ठा किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक अलग सेल (विशेष विभाग) बनाया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, इंदौर के भागीरथपुरा में सीवर का पानी पीने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी। इस दुखद घटना ने देश की राजधानी दिल्ली की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली में पानी की सप्लाई करने वाला नेटवर्क काफी पुराना है, जिसका कम से कम 18त्न हिस्सा 30 साल से भी ज्यादा पुराना है और इसे बदलने की सख्त जरूरत है। दिल्ली सरकार ने कहा है कि दिल्ली जल बोर्ड को अपने पूरे सिस्टम की जांच करनी चाहिए ताकि उन कमजोर हिस्सों की पहचान हो सके जहां से गंदा पानी या बाहरी गंदगी पीने के पानी में मिल सकती है। ऐसी जगहों की मरम्मत और पाइपलाइन बदलने को प्राथमिकता दी जाएगी। दिल्ली जल बोर्ड पूरे शहर में 9 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट चलाता है। जमीन के नीचे बने 123 जलाशयों और 15,600 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के जरिए रोजाना लगभग 1,000 मिलियन गैलन पानी की सप्लाई की जाती है। सरकार ने घनी आबादी वाले इलाकों में चौबीसों घंटे निगरानी रखने और सभी ट्रीटमेंट प्लांट के साथ-साथ सीधे उपभोक्ताओं के घरों तक पहुंचने वाले पानी की टेस्टिंग और मॉनिटरिंग को मजबूत करने का निर्देश दिया है। दिल्ली जल बोर्ड के आकलन के मुताबिक, दिल्ली के 15,600 किलोमीटर लंबे वाटर नेटवर्क का लगभग 18त्न (2,800 किलोमीटर) हिस्सा 30 साल से भी ज्यादा पुराना है, जिसे बदलने की जरूरत है।

सीईएस-2026 में बढ़ेगी भारतीय टेक कंपनियों की धमक, अल्ट्राह्यूमन जैसे स्टार्टअपस लाएंगे नवाचार

लंदन, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी मेले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) में भारतीय कंपनियों और स्टार्टअप की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में भारतीय टेक एवं स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी और बढ़ने की उम्मीद है। सीईएस के उपाध्यक्ष जॉन केली ने कहा, आप कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो में भाग लेने वाले भारतीय स्टार्टअप की संख्या में लगातार वृद्धि देख रहे हैं। निश्चित रूप से, हम आने वाले वर्षों में व्यापक भारतीय भागीदारी का स्वागत करते हैं।

केली ने विशेष रूप से बंगलूरू स्थित प्रौद्योगिकी एवं वियरेबल कंपनी अल्ट्राह्यूमन का जिक्र किया। कहा, हम सीईएस-2026 में उनका स्वागत कर वास्तव में उत्साहित हैं। अल्ट्राह्यूमन के उत्पादों में दुनिया का सबसे हल्का स्लीप-ट्रैकिंग वियरेबल (स्मार्ट रिंग), एक निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग मंच (कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म) और एक प्रिवेंटिव ब्लड टेस्टिंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

कंज्यूमर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के कार्यकारी प्रमुख गैरी शापिरो ने कहा कि 9 जनवरी तक चलने वाले इस शो में वैश्विक कंपनियां, स्टार्टअप और उद्योग जगत के लोग शिरकत कर रहे हैं। केली ने बताया, इस साल सीईएस में करीब 150 देशों की भागीदारी है। कई भारतीय कंपनियां, स्टार्टअप और व्यापार संवर्धन संगठन भी भाग ले रहे हैं। वैश्विक भागीदारीः शो में उपस्थित 40 फीसदी लोग और प्रदर्शन अमेरिका से बाहर के।

नवाचार पर जोरः करीब 4,000 से अधिक प्रदर्शक डिजिटल हेल्थ, ऊर्जा, रोबोटिक्स, एआई और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अपना नवाचार दिखा रहे हैं।

1,300 से ज्यादा वक्ताओं की मौजूदगी। 400 से अधिक सत्रों का आयोजन होगा। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो में 2024 में पहला भारतीय मंडप बनाया गया था। सीईएस की वेबसाइट के मुताबिक, कई भारतीय कंपनियां और स्टार्टअप इस बार अपनी तकनीक एवं नवाचार का प्रदर्शन कर रही हैं।

नॉइज (गुरुग्राम): प्रमुख ग्लोबल स्मार्टवॉच ब्रांड। आर्व्या एक्स टेक्नोलॉजीज (भोपाल): स्यूडो-रियलिटी फर्म। आबोः एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधानों में विशेषज्ञ मेडटेक कंपनी। सोना कॉमस्टारः ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनी।

जूनडियाः ग्लोबल टेक्नोलॉजी पार्टनर - मोबाइल एवं टेलीकॉम संघ।

● सोने से भी महंगा क्यों था बैंगनी रंग, एक गलती जिसने बदल दिया इतिहास

ये है वो देश जहां बैंगनी रंग पहनने पर मिलती है मौत की सजा

लंदन , एजेंसी। आज के समय में बैंगनी रंग का कपड़ा पहनना बहुत सामान्य बात है लेकिन इतिहास में एक दौर ऐसा भी था जब इस रंग को पहनने की गलती करने पर किसी भी आम इंसान को सरेआम मौत की सजा दी जा सकती थी। प्राचीन रोमन साम्राज्य से लेकर एलिजाबेथ के शासनकाल वाले इंग्लैंड तक बैंगनी रंग सिर्फ एक फैशन नहीं बल्कि शक्ति और राजशाही का सबसे बड़ा प्रतीक था।

प्राचीन समय में बैंगनी रंग की कीमत हीरे-जवाहरात से भी कहीं ज्यादा थी। इसकी दुर्लभता के पीछे एक चौंकाने वाली वजह थी। उस दौर में आज की तरह केमिकल वाले रंग नहीं होते थे। मशहूर टायरियाई बैंगनी रंग भूमध्य सागर में पाए जाने वाले म्यूरेक्स नाम के एक समुद्री घोंघे से निकाला जाता था। इस रंग को बनाने की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि मात्र एक ग्राम रंग तैयार करने के लिए लगभग 9,000 घोंघों की जान लेनी पड़ती थी। अपनी इसी दुर्लभता के कारण बैंगनी कपड़ा सोने के वजन के बराबर या उससे भी महंगा बिकता था। प्राचीन रोम-रोमन कानून के अनुसार केवल सम्राट और उनके परिवार के सदस्य ही पूरी तरह से बैंगनी रंग के कपड़े पहन सकते थे। अगर कोई आम नागरिक ऐसा करता पाया जाता तो इसे राजद्रोह माना जाता था और उसे फांसी की सजा तक दी जा सकती थी।एलिजाबेथ प्रथम ने भी इंग्लैंड में सुम्पट्यूरी कानून लागू किए। ये कानून तय करते थे कि व्यक्ति अपनी सामाजिक हैसियत के हिसाब से क्या पहन सकता है। बैंगनी रंग को केवल शाही परिवार के लिए सुरक्षित रखा गया। नियम तोड़ने वालों को भारी जुर्माना, जेल या संपत्ति की जब्ती का सामना करना पड़ता था। हजारों सालों से चला आ रहा यह शाही एकाधिकार साल 1856 में एक वैज्ञानिक प्रयोग के दौरान अचानक खत्म हो गया। मात्र 18 साल के एक केमिस्ट विलियम हेनरी पर्किन मलेरिया की दवा (कुनैन) बनाने की कोशिश कर रहे थे।

प्रयोग के दौरान उनके बीकर में एक गहरा बैंगनी रंग का पदार्थ बना।

AIIMS के ट्रामा सेंटर की छत पर बनेगा हेलीपेड, मरीजों को मिलेंगी ये सुविधाएं

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित एम्स के ट्रामा सेंटर की छत पर हेलीपेड बनाने की योजना है। इससे गंभीर मरीजों और ऑर्गन ट्रांसप्लांट से जुड़े मामलों में समय की सबसे बड़ी बाधा खत्म हो सकेगी। इस परियोजना का प्रस्ताव प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत भेजने की तैयारी है, वहीं नागरिक उड्डयन महानिदेशालय डीजीसीए से मंजूरी के लिए आवेदन किया जाएगा।

दिल्ली में स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव के साथ एम्स भोपाल के निदेशक डॉ माधवानंद कर, डिप्टी डायरेक्टर संदेश जैन और सांसद आलोक शर्मा की बैठक हुई। इसमें स्थायी निदेशक देने की मांग उठी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने जानकारी दी कि अगले महीने से इंटरव्यू प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा 300 बेड का लेवल-1 अपेक्स ट्रॉमा सेंटर, अत्याधुनिक अपेक्स ऑन्कोलॉजी सेंटर, पीडियाट्रिक एवं गायनी सुपर स्पेशलिटी, वर्चुअल ऑटोप्सी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएगी। सांसद आलोक शर्मा ने दी जानकारी सांसद आलोक शर्मा ने बताया कि अधिकांश प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब इन्हें वित्त विभाग को भेजा जाएगा। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव को 1000 करोड़ रुपये के विस्तार प्लान का प्रस्ताव सौंपा। इस विस्तार योजना का सबसे खास हिस्सा एम्स परिसर में हेलीपेड का निर्माण करना है। भोपाल एम्स में रोज पहुंचते हैं कई सो मरीज बता दें कि एम्स भोपाल के ट्रॉमा सेंटर में प्रतिदिन 150 से 200 सडक़ दुर्घटना और गंभीर चोट के मरीज पहुंचते हैं। इनमें से लगभग 10 प्रतिशत मरीजों को तत्काल भर्ती कर इलाज की आवश्यकता होती है। हेलीपैड के शुरू होने से नेशनल हाईवे, सीमावर्ती राज्यों और दूरदराज के क्षेत्रों से मरीजों को सीधे ट्रॉमा सेंटर लाया जा सकेगा, जिससे 'गोल्डन ऑवर' में इलाज संभव होगा। भोपाल एम्स में बनेगा दूसरा बड़ा ट्रॉमा सेंटर बता दें कि भोपाल में एम्स में 150 बेड का लेवल 1 अपेक्स ट्रॉमा सेंटर का निर्माण किया जा रहा है। यह दिल्ली स्थित एम्स के बाद दूसरा सबसे बड़ा ट्रॉमा सेंटर होगा।

कर्मचारियों के हक़ में ऐतिहासिक फैसला:

प्रोबेशन अवधि में वेतन कटौती असंवैधानिक, हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश के हजारों शासकीय कर्मचारियों के लिए हाईकोर्ट से बड़ी राहत की खबर सामने आई है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने प्रोबेशन अवधि के दौरान की जाने वाली वेतन कटौती को असंवैधानिक और अवैध करार दिया है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि जब कर्मचारी से सौ प्रतिशत कार्य लिया जा रहा है, तो उसके वेतन में किसी भी तरह की कटौती का कोई औचित्य नहीं बनता। हाईकोर्ट ने न सिर्फ इस व्यवस्था को रद्द किया है, बल्कि प्रोबेशन अवधि में काटी गई पूरी वेतन राशि को एरियर सहित वापस करने के निर्देश भी राज्य सरकार को दिए हैं। यह मामला सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वर्ष 2019 में जारी किए गए उस परिपत्र से जुड़ा हुआ था, जिसमें नए नियुक्त कर्मचारियों के लिए पहले वर्ष में केवल 70 प्रतिशत, दूसरे वर्ष में 80 प्रतिशत और तीसरे वर्ष में 90 प्रतिशत वेतन दिए जाने का प्रावधान किया गया था। इस परिपत्र के आधार पर प्रदेश में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के हजारों कर्मचारियों की नियमित रूप से वेतन कटौती की जा रही थी। हाईकोर्ट ने इस परिपत्र को संविधान के समानता के अधिकार के विरुद्ध मानते हुए पूर्ण रूप से निरस्त कर दिया है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन का सिद्धांत संविधान में निहित है और इसे किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि प्रोबेशन अवधि कोई प्रशिक्षण अवधि नहीं होती, बल्कि कर्मचारी उसी तरह जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है जैसे नियमित कर्मचारी करते हैं। ऐसे में वेतन में कटौती करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि संवैधानिक मूल्यों के भी खिलाफ है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि जिन कर्मचारियों की प्रोबेशन अवधि के दौरान वेतन राशि काटी गई है, उन्हें वह पूरी राशि एरियर सहित शीघ्र लौटाई जाए। इस फैसले से प्रदेश में हाल के वर्षों में नियुक्त हुए हजारों कर्मचारियों को सीधा लाभ मिलेगा और सरकार पर करोड़ों रुपये का वित्तीय दायित्व भी आएगा।

इस बीच, इंदौर स्थित आवासीय विद्यालय से जुड़ी एक और प्रेरणादायक खबर सामने आई है। अंधेरे को मात देकर जीवन में नई रोशनी फैलाने वाली गांव की बेटी दुर्गा येवले ने विश्व कप प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तिरंगा लहराया है। दुर्गा की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और गांव, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद दुर्गा ने यह साबित कर दिया कि मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत के दम पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। कुल मिलाकर, एक ओर हाईकोर्ट का यह ऐतिहासिक फैसला प्रदेश के कर्मचारियों के अधिकारों की मजबूती का प्रतीक बना है, वहीं दूसरी ओर दुर्गा येवले जैसी बेटियों की सफलता मध्यप्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर पेश कर रही है।

स्वदेशी मेले की आड़ में वसूली का खेल: नगर पालिका की मुफ्त जमीन, दुकानदारों से हजारों की उगाही

शिवपुरी। गांधी पार्क मैदान पर आयोजित स्वदेशी मेला अब सवालों के घेरे में आ गया है। इस मेले के लिए नगर पालिका से जमीन पूरी तरह निःशुल्क ली गई है, जबकि मेला स्थल पर बाहर से आए दुकानदारों से प्रति दुकान दस हजार से लेकर तीस हजार रुपये तक की वसूली की जा रही है। इस पूरे मामले को लेकर नगर के पार्षदों ने गंभीर आपत्ति जताई है, वहीं नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। जानकारी के अनुसार गांधी पार्क मैदान की जमीन नगर पालिका की संपत्ति है। पार्षदों का कहना है कि नगर पालिका परिषद में पहले यह प्रस्ताव रखा गया था कि गांधी पार्क की जमीन किसी भी आयोजन के लिए शुल्क लेकर ही दी जाएगी। इसके बावजूद स्वदेशी मेले के लिए यह जमीन बिना किसी शुल्क के दे दी गई। हैरानी की बात यह है कि एक ओर नगर पालिका गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है, कर्मचारियों को समय पर वेतन तक नहीं मिल पा रहा है, वहीं दूसरी ओर निजी आयोजन के लिए कीमती जमीन मुफ्त में दे दी गई। पार्षद पप्पू अग्रवाल ने इस पूरे मामले पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब नगर पालिका की आर्थिक स्थिति इतनी खराब है, तो फिर स्वदेशी मेले के लिए जमीन निशुल्क देने का फैसला किस आधार पर लिया गया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय नगर पालिका के हितों के खिलाफ है और इससे अधिकारियों की मंशा पर संदेह पैदा होता है। पार्षदों का आरोप है कि यदि जमीन का शुल्क लिया जाता, तो उससे नगर पालिका को कुछ आर्थिक राहत मिल सकती थी।

मेले में दुकान लगाने आए दुकानदारों ने भी वसूली की पुष्टि की है। मेले में दुकान लगाने वाले साहिल ने बताया कि उनसे दस हजार रुपये लिए गए हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के भदोही से कालीन बेचने आए व्यापारी मोहम्मद सालवी ने बताया कि उनसे बारह दिनों के लिए तीस हजार रुपये मेला ठेकेदार द्वारा वसूले गए हैं। दुकानदारों का कहना है कि बिना राशि दिए दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही। इस पूरे मामले में मेला आयोजक और ठेकेदार गोपाल गौड का पक्ष भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वदेशी मेले का आयोजन किया गया है। जब उनसे सवाल किया गया कि नगर पालिका से जमीन मुफ्त में मिलने के बावजूद दुकानदारों से पैसा क्यों लिया जा रहा है, तो उन्होंने बताया कि बिजली, लाइट, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं के खर्च के लिए दुकानदारों से राशि ली जा रही है। उनका कहना था कि यदि दुकानदारों से पैसे नहीं लिए जाते, तो मेला घाटे में चला जाता।

फिलहाल स्वदेशी मेले को लेकर उठे इन सवालों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। पार्षदों द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदिग्ध बना रही है। अब देखने वाली बात यह होगी कि नगर पालिका और प्रशासन इस मामले में कोई जांच या कार्रवाई करता है या फिर यह मामला यूं ही दबा दिया जाता है।

ई-मेल से दहशत फैलाने की साजिश: रीवा जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी, कोर्ट परिसर खाली कराया गया

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला न्यायालय परिसर को बम से उड़ाने की धमकी सामने आई। यह गंभीर धमकी एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा ई-मेल के माध्यम से भेजी गई, जो सीधे हाईकोर्ट को प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद न्यायिक और प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और तत्काल सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे हाईकोर्ट को एक धमकी भरा ई-मेल मिला, जिसमें रीवा के जिला कोर्ट परिसर को दोपहर ढाई बजे तक बम से उड़ाने की बात कही गई थी। ई-मेल की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट के निर्देश पर जिला न्यायाधीश की अनुमति ली गई और सुरक्षा कारणों से पूरे नवीन जिला न्यायालय परिसर को तत्काल खाली करा लिया गया। न्यायालय में मौजूद न्यायाधीश, वकील, कर्मचारी और आम लोग परिसर से बाहर निकाल दिए गए। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और श्वान दस्ता मौके पर पहुंच गया। पूरे कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। हर कक्ष, गलियारे, पार्किंग और आसपास के क्षेत्र की बारीकी से जांच की गई। अब तक की जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं। एहतियातन पूरे न्यायालय परिसर को अभी भी खाली रखा गया है और इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। आने-जाने वाले रास्तों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस और साइबर सेल की टीमें ई-मेल भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हुई हैं। यह भी जांच की जा रही है कि धमकी महज अफवाह और दहशत फैलाने की कोशिश थी या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश छिपी हुई है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

नशे में धुत ड्राइवर की लापरवाही से हादसा : डंपर से टकराई मिनी बस, महिला बच्चे समेत 15 यात्री घायल

भिंड। शादी-ब्याह की रस्म निभाकर हंसी-खुशी लौट रहा एक परिवार उस वक्त दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया, जब नशे में धुत बस चालक की लापरवाही ने खुशियों को चीख-पुकार में बदल दिया। फूफ की ओर से लौट रही एक मिनी बस इटावा रोड पर आरटीओ चेक पोस्ट के पास आगे चल रहे डंपर से जा टकराई। इस भीषण हादसे में बस में सवार करीब पंद्रह यात्री घायल हो गए, जिनमें बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार मेहगांव और पोरसा क्षेत्र के रहने वाले लोग मुरैना जिले के पोरसा निवासी बसंत शाक्य की बेटी की ससुराल में पक्ष देने गए थे। दिनभर रस्म पूरी करने के बाद सभी लोग मंगल गीत गाते हुए किराए की मिनी बस से वापस लौट रहे थे। रास्ते में फूफ से निकलते ही यात्रियों को महसूस हुआ कि बस चालक नशे में है और बस को लहराकर चला रहा है। यात्रियों ने उसे कई बार टोका और कहा कि यदि उससे बस नहीं संभल रही है तो किसी और को गाड़ी सौंप दे, लेकिन चालक ने किसी की बात नहीं मानी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुंवारी नदी पुल के पास ही चालक ने बस को तेज और लापरवाही से चलाया। इसके बाद भिंड की ओर आते समय इटावा रोड पर आरटीओ चेक पोस्ट के पास अचानक आगे चल रहे डंपर के ब्रेक लगाने पर पीछे से आ रही मिनी बस उससे जोरदार टक्कर मार बैठी।